RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार, 04 जनवरी 2023 वर्ष 04 अंक 223 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर बीजेपी-शिंदे गुट में खींचतान !

## कहा- लोकसभा की 8 सीटों को लेकर साफ करें रुख...

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव से पहले ही सीट शेयरिंग को लेकर बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट में खींचतान शुरू हो चुकी है. शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के एक नेता ने मंगलवार (03 जनवरी) को सहयोगी बीजेपी से 2024 के चुनाव में मराठवाड़ा क्षेत्र की सभी आठ लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है.

शिंदे गुट से ताल्लुक रखने वाले महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अर्जुन खेटकर ने मराठवाड़ा क्षेत्र की 8 में से 4 सीटों पर दावा ठोंका है. उन्होंने कहा, ''2019 में आठ में से चार सीटों पर शिवसेना ने चुनाव लड़ा था.'' खेटकर ने उन निर्वाचन क्षेत्रों पर अपना दावा पेश किया.वहीं कुछ दिन पहले ही बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री भागवत कराड ने मराठवाड़ा क्षेत्र में आने वाली सभी आठ सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी. खोटकर ने कहा, ''मैंने उस बयान को सुना है, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए. उस बयान के पीछे का इरादा शायद पार्टी (बीजेपी) के आधार का विस्तार करना है.'' खोटकर ने कहा, ''बीजेपी नेताओं को याद रखना चाहिए कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनी थी. कम से कम 12-13 सांसद पहले शिंदे से जुड़े थे.''

### मराठवाड़ा की 4 सीटों पर ठोंका दावा

**उन्होंने कहा कि शिवसेना (विभाजन से पहले) ने 2019 में मराठवाड़ा क्षेत्र की 4 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से औरंगाबाद, परभणी, हिंगोली और उस्मानाबाद लोकसभा सीटें हैं. खोटकर ने कहा, ''हमारा (शिंदे गुट का) इन्ही 4 सीटों पर दावा है.'' बता दें कि इससे पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा था कि पार्टी 2024 के चुनावों में औरंगाबाद लोकसभा सीट दो लाख वोटों के अंतर से जीतेगी.**

### गठबंधन पर स्पष्टीकरण की मांग...

**पिछले जून में महाविकास अघाड़ी सरकार के गिरने के बाद से मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गुट और बीजेपी ने राज्य में सरकार बनाई है. बीजेपी की मदद से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं. खोटकर ने कहा, ''अगर लोकसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर बीजेपी विचार कर रही है और मराठवाड़ा में सभी आठ सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं तो यह ठीक है. लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो राज्य बीजेपी प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले को पार्टी के रुख का स्पष्टीकरण देना चाहिए.''**

# ठाणे से भिवंडी जाने वाली MSRTC बस में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

**ठाणे :** महाराष्ट्र के ठाणे शहर में मंगलवार को एक बस में आग लग गई, उसमें सवार 65 यात्री बाल-बाल बच गए। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि हादसा शहर की सीमा से लगे उत्तलेश्वर के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस कम से कम 65 यात्रियों को लेकर ठाणे से पड़ोसी शहर भिवंडी जा रही थी। आग की लपटे देखने के बाद चालक ने तुरंत बस रोकी और यात्रियों को बस से उतरने को कहा। उन्होंने बताया कि बस आंशिक रूप से जल गई है। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय दमकलकर्मी और आरडीएमसी का एक दल मौके पर पहुंचा और करीब आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि भिवंडी डिपो की इस बस में शायद शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

# 7000 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टरों ने वापस ली हड़ताल, मंत्री बोले- जल्द हल होंगे मुद्दे

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर गए सरकारी कॉलेजों के 7,000 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टरों ने मंगलवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कि विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे सरकारी कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपनी मांगों पर सकारात्मक बातचीत के बाद अपना आंदोलन वापस ले लिया है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एमएआरडी) के तत्वावधान में प्रदेश के करीबन सात हजार से ज्यादा रेजीडेंट डॉक्टर छात्रावासों की गुणवत्ता और सहायक-एसोसिएट प्रोफेसरों के रिक्त पदों को भरने सहित कई मुद्दों को लेकर सोमवार को हड़ताल पर चले गए थे। महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एमएआरडी) ने आरोप लगाया था कि जब ओमिक्रॉन के नए वैरिएंट के बारे में आशंकाएं हैं, तो भी सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान देना उचित नहीं समझा।

गिरीश महाजन ने कही यह बात

इस मुद्दे पर राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि डॉक्टरों ने सकारात्मक बातचीत के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली है। हमने इन मुद्दों को युद्धस्तर पर उठाया है। उन्होंने कहा कि छात्रावासों से संबंधित मुद्दे को तुरंत हल करने का प्रयास किया जाएगा। इस बाबत छात्रावास की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 12 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

इससे पहले कल पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि उन्होंने रेजिडेंट डॉक्टरों से बातचीत में शामिल होने के लिए कहा है और उनसे मामले को आगे नहीं बढ़ाने का आग्रह किया है। दरअसल, एमएआरडी ने हड़ताल का आ''ान किया है। दावा किया गया है कि सरकारी कॉलेजों में छात्रों को छात्रावासों की खराब गुणवत्ता के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री महाजन ने कहा कि हड़ताली डॉक्टरों की आधी मांग तत्काल मंजूर की जा रही है और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को मरम्मत कार्य के लिए 12 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हम हर चीज को लेकर सकारात्मक हैं। उन्हें हड़ताल पर जाने से पहले हमसे बात करनी चाहिए थी। एमएआरडी के अध्यक्ष अविनाश दहिपले ने कहा कि एसोसिएशन को बातचीत के लिए राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। रेजिडेंट डॉक्टर सरकारी और नागरिक निकाय द्वारा संचालित अस्पतालों में एक महत्वपूर्ण दल हैं, जहां रोगियों की भारी भीड़ देखी जाती है।

## संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

### नोटबंदी पर निर्णय

सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटबंदी के फैसले को वैध करार दिया जाना केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी जीत जैसा है। सुप्रीम कोर्ट को मूलत: नोटबंदी के लिए अपनाई गई प्रक्रिया पर विचार करना था। उसने यह पाया कि इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक से व्यापक विचार-विमर्श किया था और इस कारण यह नहीं कहा जा सकता कि संबंधित प्रक्रिया में कोई खामी थी। हालांकि एक न्यायाधीश ने पांच सदस्यीय पीठ के चार न्यायाधीशों के निर्णय से असहमति जताई, लेकिन उसका कोई विशेष मूल्य नहीं। इसलिए और नहीं, क्योंकि एक तो बहुमत का निर्णय ही मायने रखता है और दूसरे, नोटबंदी जैसे फैसले कानून बनाकर नहीं किए जा सकते।

नि:संदेह नोटबंदी का फैसला एक बड़ा और कड़ा फैसला था। यह एक फैसला था, जिसने हर किसी को प्रभावित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि किसी फैसले को केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि वह सरकार ने लिया है। विडंबना यह है कि कुछ विपक्षी दलों ने सरकार के हर फैसले का विरोध करने को अपना एकसूत्रीय कार्यक्रम बना लिया है। ऐसा ही रवैया अन्य लोगों ने भी अपना लिया है। इसे इससे समझा जा सकता है कि नोटबंदी के फैसले के खिलाफ 50 से अधिक याचिकाएं दायर की गईं।

इसमें संदेह है कि नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद सरकार के हर फैसले का अंधविरोध करने और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले हतोत्साहित होंगे, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का एक सीमित और वह भी अकादमिक महत्व ही है। आखिर जो फैसला छह वर्ष पूर्व लिया गया और जिसके अच्छे-बुरे परिणाम सामने आ चुके हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ की ओर से विचार किया जाना कितना सार्थक है? नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद विपक्ष का निहत्था होना स्वाभाविक है। इसके बाद भी वह नोटबंदी के असर की अपनी तरह व्याख्या करता रहेगा। इसके साथ ही यह बहस भी चलती रहेगी कि नोटबंदी के जो उद्देश्य थे, वे कितने पूरे हुए-कितने नहीं?

इस प्रश्न पर सरकार को भी चिंतन-मनन करना होगा, क्योंकि जिन उद्देश्यों को लेकर पांच सौ और एक हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला लिया गया, वे सभी सही तरह पूरे नहीं हुए। यह सही है कि टैक्स चोरी पर एक हद तक लगाम लगी और फौरी तौर पर काले धन वालों को झटका लगा, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा। उचित यह होगा कि रिजर्व बैंक के साथ सरकार इस पर विचार करे कि वे सभी उद्देश्य कैसे पूरे हों, जो नोटबंदी को लेकर तय किए गए थे। नोटबंदी से जो अनुभव मिले, उनसे भविष्य के लिए सीख भी ली जानी चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# मुंबई से व्यापारी का अपहरण...!

## सांगली से एक माह बाद रिहा, एक गिरफ्तार, चार फरार

**मुंबई :** एनएम जोशी मार्ग पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कर्नाटक के गुलबर्गा, बेलगाम और महाराष्ट्र के सांगली जिले में कई दिनों तक खाक छानने के बाद पिछले एक महीने से बंधक बने 35 वर्षीय व्यापारी रमेश काले को अपहरणकताओं के चंगुल से सकुशल छुड़ाकर एक अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि इस मामले में अभी चार अपराधी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि गन्ना काटने के पैसे को लेकर हुए विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस आगे की तहकीकात कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (जोन-3) अकबर पठान ने संवाददाता को बताया कि पीड़ित रमेश काले फूल बेचने का व्यवसाय करता है। अपहरणकताओं ने एक दिसंबर 2022 फूलों के बड़े ऑर्डर का झांसा देकर रमेश का अपहरण कर उसे सांगली जिले के एक कमरे में बंद रखा था। इन्होने पीड़ित की पत्नी को धमकी दी थी कि सात लाख की फिरौती मिलने के बाद ही उसे रिहा किया जाएगा। लिहाजा पीड़ित की पत्नी सुनीता ने एनएम जोशी मार्ग पुलिस से संपर्क किया और पुलिस ने अज्ञात अपहरणकताओं के खिलाफ अपहरण और रंगदारी और जबरदस्ती किसी को बंधक बना कर रखने का मामला दर्ज किया।

**दो टीमों का किया गया था गठन**

पुलिस निरीक्षक (क्राइम) सचिन कुंभार के नेतृत्व में पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया था। दोनों टीमें कर्नाटक और सांगली के अलग-अलग गांवों में लगातार आरोपी और पीड़िता की तलाश कर रही थीं। टेक्नोलॉजी, कॉल रिकॉर्ड और गुप्त सुचना की मदद से पुलिस ने आरोपी संतोष अर्जुन काले (28) को गिरफ्तार कर पीड़ित को सुरक्षित रिहा कराया है। पुलिस निरीक्षक सचिन कुंभार ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान संतोष काले और फरार की बापू प्र''ाद चव्हाण, विलास प्र''ाद चव्हाण, मयूर प्र''ाद चव्हाण और एक अनजान व्यक्ति के रूप में की है।

# कैंसर से जूझ रहे भाजपा विधायक लक्ष्मण जगताप का निधन

## पीएम मोदी और सीएम शिंदे ने जताया दुख...

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के विधायक लक्ष्मण जगताप का 59 साल की उम्र में निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि लक्ष्मण जगताप का लंबे समय से इलाज चल रहा था। जगताप पुणे के चिंचवाड़ से विधायक थे। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने यहां एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

**प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा विधायक के निधन पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि महाराष्ट्र के विधायक लक्ष्मण जगताप के निधन से दुखी हूं। उन्होंने लोक कल्याण और पुणे व उसके आसपास के इलाकों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

भाजपा विधायक लक्ष्मण जगताप के निधन पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अन्य नेताओं ने दुख जताया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लक्ष्मण जगताप की मौत को दिमाग सुन्न करने वाला करार दिया, जबकि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसे दिल को झटका देने वाला बताया। भाजपा ने एक पखवाड़े के भीतर राज्य से दो विधायक खो दिए हैं। 22 दिसंबर को पुणे की कस्बा सीट से पार्टी विधायक मुक्ता तिलक का निधन हो गया था। जगताप चिंचवाड़ विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। अपनी बीमारी के बावजूद, जगपत ने पिछले साल जून में राज्यसभा और महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों के दौरान वोट डालने के लिए पुणे से मुंबई की यात्रा की थी, जिससे उन्हें राजनीतिक हलकों में काफी प्रशंसा मिली। सीएम शिंदे ने जगताप के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की बेहतरी के लिए लगातार काम किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने भी शोक व्यक्त किया और उन्हें याद किया कि कैसे जगताप पिछले साल राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के दौरान मतदान करने के लिए पीपीई किट पहनकर राज्य विधानमंडल में आए थे। जगताप और तिलक ने तबीयत खराब होने के बावजूद वोट डालने के लिए तारीफें बटोरी थीं।

## भिवंडी में प्रदर्शन के दौरान लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, 17 लोग गिरफ्तार...

**ठाणे :** ठाणे जिले के भिवंडी शहर में एक स्कूल के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने की खबर है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि सोमवार को अन्य लोगों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए एक स्कूली छात्र ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए। लोगों ने कहा कि पुलिस ने बिना अनुमति के विरोध प्रदर्शन करने के लिए भारतीय दंड संहिता और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 188 के तहत पांच महिलाओं समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया है।

# जालना में किसान ने उठाया हैरान कर देने वाला कदम, खुद को जमीन में गाड़ा

**महाराष्ट्र :** हर एक का किसी चीज को विरोध करने का तरीका अलग-अलग रहता है। कोई बड़ी आवाज कर मोर्चा निकल क्र विरोध करता है तो कोई कोई नेताओं का पुतला जलाकर विरोध करता है। ऐसे में हाल ही में महाराष्ट्र में विरोध करने का अनोखा तरीका सामने आया है, जिसे देख हर कोई हैरान है। दरअसल यहां एक किसान ने विरोध करके के लिए खुद को जमीन के भीतर गाढ़ दिया है। इस घटना से महाराष्ट्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

आपको बता दें कि कर्मवीर दादासाहाब

गायकवाड़ सबलीकरण स्वाभिमान योजना के तहत मिली जमीन पर कब्जा देने की मांग रहे एक शख्स ने खुद को जमीन में गाढ़ लिया। औरंगाबाद संभाग के जालना जिले के मंठा तहसील के हेलस गांव के रहने वाले किसान ने खुद को ही जमीन में गाड़ दिया। इस घटना के बाद से ही क्षेत्र में चर्चा आरंभ हो चुकी है। मिली जानकारी के मुताबिक सुनील जाधव नामक एक किसान की माता और उनकी मौसी को कर्मवीर दादासाहाब गायकवाड़ सबलीकरण स्वाभिमान योजना के तहत 1 हेक्टेयर 35 आर जमीन मिली थी। ऐसे में अब इस जमीन को हासिल करने को लेकर उन्होंने विरोध का अनोखा तरीका दिखाया। दरअसल सुनील जाधव सरकारी कार्यालयों से परेशान हो चुके थे।

## देवबंद में फिर पकड़ा गया आतंकी! यूपी एटीएस ने हिरासत में लिया

**सहारनपुर :** सहारनपुर के देवबंद के खानकाह रोड दारुल उलूम चौक पर बने एक हॉस्टल से यूपी एटीएस ने (आतंकवाद विरोधी दस्ता) छापामारी कर एक आतंकी को हिरासत में लिया है। यूपी एटीएस ने शनिवार रात को सहारनपुर में अपनी कार्रवाई के दौरान उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आतंकी का अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट और जमाते मुजाहिद्दीन बांग्लादेश के साथ कनेक्शन जुड़ा हुआ था। आतंकी को गिरफ्तार करने के बाद एटीएस मुख्यालय पर लाया गया, जहां उससे पूछताछ की गई। वहीं आतंकी अजहरुद्दीन पर हिंदुस्थान में जिहाद फैलाने और नौजवानों को रेडिक्लाइज करने का आरोप है।

# महिला ने गंवाए 64000 रुपये

**मुंबई:** साइबर फ्रॉड के कई मामले सामने आते हैं। मुंबई में ऐसा ही एक अजीब साइबर फ्रॉड का केस सामने आया है। यहां पर एक महिला ने ट्रेन टिकट के कंफर्मेशन को लेकर आईआरसीटीसी को ट्वीट किया। इस ट्वीट के चलते उसे अकाउंट से 64 हजार रुपये गंवाने पड़े। रेलवे की तरफ से कॉल की बात कहकर कॉलर्स ने टिकट कंफर्म करने के नाम पर 2 रुपये मांगे। महिला ने दो रुपये ट्रांसफर किए लेकिन बाद में उसे 64,000 रुपये गंवाने पड़े। विले पार्ले की रहने वाली महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि उसने तो ट्वीट करके सिर्फ यह कंफर्म करना चाहा था कि उसकी ट्रेन की टिकट यात्रा करने की तारीख तक कंफर्म होगी की नहीं। लेकिन उसे नहीं पता था कि यह ट्वीट

उसे मंहगा पड़ जाएगा।

पुलिस ने कहा कि पांच फर्जी फंड ट्रांसफर शुक्रवार को किए गए। पुलिस ने बताया कि महिला को मुंबई से भुज जाना था। उसने 14 जनवरी को टिकट बुक कराया था। उनके तीन टिकट थे लेकिन तीनों आरएसी थे। महिला ने आईआरसीटीसी को टैग करते हुए ट्वीट किया कि क्या उसके ये टिकट कंफर्म होंगे? उन्होंने टिकट की डीटेल के साथ ही अपना मोबाइल नंबर भी लिखा। कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर एक कॉल आया। यह कॉल महिला के बेटे ने उठाया।

### इस तरह फ्रॉड का अंदेशा

**एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जालसाज ने शिकायतकर्ता को उसके यूपीआई के माध्यम से 2 रुपये का भुगतान किया। पीड़ित के मोबाइल पर भेजे गए लिंक ने धोखाधड़ी करने के लिए गोपनीय विवरण और पिन नंबर चुरा लिया। अधिकारी ने कहा कि जब उन्होंने उसी नंबर पर कॉल करने की कोशिश की तो उन्हें ठगे जाने का एहसास हुआ।**

### 2 रुपये किए ट्रांसफर और दी डीटेल

**महिला ने बताया कि उसके बेटे से कहा गया कि टिकट कंफर्म हो जाएगा उन्हें एक लिंक भेजा जा रहा है, वह उसमें डीटेल भर दें और दो रुपये का भुगतान कर दें। एमएन मीणा (37) ने बिना कुछ समझे विश्वास कर लिया। उन्होंने अपने टिकट का विवरण शेयर लिंक में भर दिया क्योंकि कॉलर ने उन्हें विश्वास दिलाया कि कॉल आईआरसीटीसी के कस्टमर केयर से है। डीटेल भरने के बाद उन्होंने 2 रुपये भी ट्रांसफर कर दिए।**

**पांच बार फंड किया ट्रांसफर**

कुछ ही देर बाद मीणा के मोबाइल पर एक के बाद एक 5 मेसेज आए। वे लोग हैरान हो गए। मेसेज चेक करने पर पता चला कि उनके अकाउंट से 64,011रुपये निकाले गए हैं। उन्होंने बैंक से डीटेल ली तो रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हुई थी। उन्होंने उसी नंबर पर कॉल बैक की, जिससे उन्हें फोन आया था लेकिन वह नंबर नहीं लगा। उसके बाद उन्हें यकीन हुआ कि उनके साथ ठगी हो गई है। तब उन लोगों ने पुलिस से शिकायत की।

# बैंकों के क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट के नियमों में होनेवाला बदलाव

**मुंबई:** कुछ बैंकों के क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट के नियमों में बदलाव होनेवाला है तो कुछ बैंक अपने क्रेडिट कार्ड द्वारा होनेवाले रेंट पेमेंट लेन-देन पर १ प्रतिशत शुल्क वसूल करेंगे। जीएसटी के मामले में 'ई-इनवॉइसिंग' की मयार्दा २० करोड़ से घटकर ५ करोड़ पर आ जाएगी। डाक विभाग की सेविंग और अन्य योजनाओं की ब्याज दर सरकार ने बढ़ाई है, फिर भी अन्य कई क्षेत्रों के नए नियम आम जनता के बजट को बिगाड़ने वाले हैं। बीमे की किस्त भी महंगी होनेवाली है। पहले ही इन किस्तों पर सरकार ने जीएसटी का भार डाल रखा है। उसमें बीमे की किस्त पर नए नियम लागू हुए तो वाहन मालिकों को एक और भार को ढोना पड़ेगा। वाहनों की कीमत भी नए वर्ष में बढ़ने के संकेत हैं। कुछ कंपनियों ने तो अपने वाहनों की कीमत बढ़ा भी दी है। इसी में बीमा भी महंगा होने से वाहन मालिक और चालक का बजट बिगड़ जाएगा ईंधन दर वृद्धि पर तो बोलने की भी गुंजाइश नहीं रही। पेट्रोल-डीजल क्या या सीएनजी-

पीएनजी क्या, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरती हैं, फिर भी हमारे देश में ईंधन की कीमतें बढ़ती ही रहती हैं। मोदी सरकार के इस नए 'अर्थशास्त्र' के चलते २०२२ पूरे वर्ष आम इंसान महंगाई के बट्टे के नीचे पिसता रहा। अब १ जनवरी २०२३ से कमर्शियल सिलिंडर के दाम में २५ रुपए की वृद्धि होगी, जिससे महंगाई का बट्टा और तेजी से घूमेगा। महंगाई लोगों के जीवन से जुड़ा अहम मुद्दा है। लेकिन मोदी सरकार ने २०२२ में इसे साफ नजरअंदाज किया। महंगाई पर हमारी सरकार की कड़ी नजर है, ऐसा केंद्रीय वित्त मंत्री ने संसद में कहा। सच है, लेकिन इस कड़ी नजर से 'महंगाई डायन' पिछले वर्षभर में कतई नहीं डरी। नए वर्ष में भी इससे कुछ अलग होगा, ऐसा दिखाई नहीं देता।

## 16 साल की किशोरी ने बच्चे को दिया जन्म

# मुंबई में बेचने की आशंका, बाल कल्याण समिति के दखल से मुकदमा दर्ज...

**मुंबई :** अजमेर में किशोरी के प्रेग्नेंट होने और बदनामी के डर से बचने के लिए किशोरी को उदयपुर लेजाकर चोरी-छिपे डिलीवरी करवाने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं किशोरी के बच्चे को उसकी बड़ी बहन मुंबई ले गई। वहां बच्चे को किसी दंपती को गैर कानूनी तरीके से सौंप दिया गया। मामले में महिला बाल कल्याण समिति के दखल पर पुलिस के मानव तस्करी निरोधक यूनिट के प्रभारी अशोक विश्नोई ने जांच की। किशोरी को संरक्षण में लेकर उसके बयान दर्ज किए। बयानों के आधार पर आदर्श नगर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस की ओर से जांच की जा रही है कि किशोरी के बच्चे का पिता कौन है। किशोरी की बड़ी बहन ने बच्चे को मुंबई में गैरकानूनी तरीके से किसे दिया? आदर्श नगर थाना प्रभारी सुगन सिंह के अनुसार मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

**बड़ी बहन के साथ रहती थी किशोरी**

जानकारी के अनुसार परबतपुरा बायपास इलाके में रहने वाली किशोरी के गर्भवती होने और उदयपुर में चोरी-छिपे उसकी डिलीवरी कराए जाने की सूचना पर बाल कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने जांच की थी। जांच में पाया गया कि किशोरी का बाल विवाह यूपी में एक युवक से हुआ था। पति से अनबन होने के बाद पिछले 2 साल से वह अजमेर में अपनी बड़ी बहन के पास रह रही थी। इस दौरान वह प्रेग्नेंट हो गई। बदनामी से बचने के लिए किशोरी की बड़ी बहन और जीजा ने उसकी डिलीवरी उदयपुर के गवर्नमेंट हॉस्पिटल में भ्रामक जानकारी देकर करवाई गई। इसके बाद किशोरी ने बच्चे को जन्म दिया था। किशोरी की बड़ी बहन बच्चे को लेकर मुंबई चली गई।

## भाजपा का अजित पवार के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन

**मुंबई :** महाराष्ट्र में विपक्षी नेता अजित पवार के छत्रपति संभाजी महाराज पर दिये गये विवादास्पद बयान के खिलाफ सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं और उसके संगठनों ने राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया। पवार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज 'धर्मवीर' नहीं थे, बल्कि वे 'स्वराज रक्षक' थे।

उनके इस बयान के बाद भाजपा सोमवार को इस मुद्दे को सड़कों पर उतरी और राज्य भर में अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया। बारामती में भाजपा कार्यकताओं ने पवार का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। पुलिस ने भाजपा कार्यकताओं को हिरासत में लिया। शिरडी में भाजपा ने भी मोर्चा निकाला और बयान का विरोध किया। राज्य भर के कई शहरों से रिपोर्टों में कहा गया है कि पवार के खिलाफ इसी तरह के आंदोलन किए गए हैं।

# एमपी में घुसकर महाराष्ट्र पुलिस ने मारा छापा

## गाड़ी के निचले हिस्से में छुपा रखा था 3 क्विंटल चंदन...

**बड़वानी :** बड़वानी जिले के सेंधवा में पुलिस ने चंदन तस्करी के बड़े रैकेट का खुलासा किया है. फिल्म पुष्पा की स्टाइल में सारा खेल हुआ. महाराष्ट्र पुलिस ने चंदन का तेल बनाने वाली फैक्ट्री में दबिश देकर ये रैकेट पकड़ा. गाड़ी के बेसमेंट में पार्टीशन बनाकर बेशकीमती चंदन की लकड़ी की तस्करी की जा रही थी. महाराष्ट्र पुलिस का दावा है कि इसके पीछे कोई अंतर्राष्ट्रीय रैकेट हो सकता है. फैक्ट्री मैनेजर सहित अन्य को महाराष्ट्र पुलिस ने हिरासत में ले लिया है.

सेंधवा ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम गवाड़ी में एबी रोड पर चंदन फैक्ट्री में महाराष्ट्र राज्य के नंदूरबार जिले की नवापुर थाना पुलिस ने दबिश देकर हैरान करने वाला खुलासा किया. नवापुर थाना प्रभारी ज्ञानेस्वर के अनुसार उनके क्षेत्र में एक मंदिर से चंदन पेड़ की चोरी के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था लेकिन वो पांच आरोपी लॉकअप तोड़कर फरार हो गए थे. पुलिस ने भागे आरोपियों में से दो को वापस गिरफ्तार कर जब उनसे से सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने गवाडी की चंदन ऑयल फैक्ट्री का सुराग दिया था. साथ ही पुलिस को चैलेंज किया कि अगर वो वहां पहुंच भी गयी तो तस्करी के खेल को समझ नहीं पाएगी.

**स्थानीय पुलिस क्या कर रही है**

बड़ा सवाल यह है कि यह फैक्ट्री यहां कितने वर्षों से चल रही है. लेकिन स्थानीय पुलिस और वन विभाग को क्या बिल्कुल भी भनक नहीं थी. महाराष्ट्र पुलिस जब आकर यहां पर इतना बड़ा खुलासा कर रही है तो स्थानीय पुलिस और वन विभाग आखिर कर क्या रहा था.

### गाड़ी के पार्टीशन में 3 क्विंटल लकड़ी

**पुलिस ने आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने हैरान करने वाला खुलासा कर उन गाड़ियों की जानकारी दी जिनमें तस्करी होती है. पुलिस ने मीलों दूर तक इन गाड़ियों की ट्रैकिंग करते हुए गवाड़ी स्थित फैक्ट्री पर पहुंची. यहां फैक्ट्री मैनेजर ने दरवाजा नहीं खोला. पुलिस दीवार फांद कर फैक्ट्री के अंदर पहुंची तो उसे वहां एक गाड़ी खड़ी मिली. पुलिस ने गाड़ी के बेसमेंट को एक पाने से खोला तो बेसमेंट में दो पार्टिशन में निकले जिसमे 3 क्विंटल कीमती चंदन की लकड़ी रखी थीं.इसका मूल्य तकरीबन 5 लाख 82 हजार है. साथ ही 32 किलो चंदन का तेल भी निकला. इसका मूल्य 19 लाख रूपए होने का अनुमान है.**

### अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का हाथ!

पुलिस के अनुसार कुल मशरुका 30 लाख रूपए का बरामद हुआ है. चंदन की तस्करी का जाल महाराष्ट्र गुजरात और मप्र में फैला हुआ है. साथ ही कर्नाटक बॉर्डर से लगे महाराष्ट्र के इलाकों से माल की तस्करी की सूचना भी मिली है. पुलिस का कहना है इसके मालिक बाहर रहते हैं. यह तेल चूंकि विदेशों में सप्लाई होता है इसलिए इसमें अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का भी हाथ हो सकता है. पुलिस ने फिलहाल ड्राइवर, हेल्पर और सिटी मैनेजर को हिरासत में ले लिया है. पुलिस का कहना है इनकी मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के हिसाब से आगे और कार्रवाई की जाएगी. महाराष्ट्र पुलिस को इस मामले में बड़े खुलासे की उम्मीद है.

# ठाणे जिले में वर्ष 2022 में चोरों ने 18 करोड़ के सामानों पर किया हाथ साफ...

## पुलिस 5 करोड़ का माल जब्त करने में सफल रही

**ठाणे :** पिछले एक वर्ष में ठाणे पुलिस आयुक्तालय की सीमा में चोरों ने करीब तीन हजार वारदातों को अंजाम देते हुए करीब 18 करोड़ रूपए के मूल्य के सामानों पर अपना हाथ साफ किये। इसमें से सिर्फ 5 करोड़ रुपए मूल्य के ही सामानों को जब्त कर पाने में ठाणे पुलिस सफल हो पाई और 13 करोड़ रुपए का चोरी का माल अभी भी चोरों के पास है। ठाणे पुलिस आयुक्तालय की सीमा में पांच परिमंडल क्रमशः ठाणे शहर, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर और वागले का क्षेत्र आता है। इन परिमंडलों में चोरों ने आम जनता का जीना हराम कर दिया है। पिछले एक वर्षों में ठाणे पुलिस आयुक्तालय की सीमा में विभिन्न स्थानों पर चोरों ने 3000 चोरियों को अंजाम दिया है। इस दौरान चोरों ने कुल 18 करोड़ 4 लाख 84 हजार रुपए की वस्तुओं को चुराया।

**पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करानी चाहिए: मोराले**

जिसमें से पुलिस केवल 5 करोड़ 13 लाख 20 हजार 734 रुपए बरामद करने में सफल रही है। जबकि शेष 13 करोड़ रुपए की वस्तुओं का कोई अता-पता नहीं है। ठाणे पुलिस अतिरिक्त आयुक्त अशोक मोराले ने बताया कि चोरी, जबरन चोरी या डकैती की घटना होने पर नागरिकों को तुरंत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। स्थानीय पुलिस या अपराध जांच विभाग द्वारा खुफिया या आधुनिक तकनीक का उपयोग करके चोरों को पकड़ा जाता है। चोरी का सामान भी कानूनी प्रक्रिया के जरिए संबंधित व्यक्ति को लौटा दिया जाता है।

# मुंबई, ठाणे, नासिक और रायगड समेत महाराष्ट्र के कई शहरों में होगा ब्लैक आउट !

**मुंबई:** महाराष्ट्र में तीन सरकारी विद्युत कंपनियों की यूनियन ने कंपनियों के निजीकरण के विरोध में बुधवार से 72 घंटे की हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। इस दौरान मुंबई, ठाणे, नासिक, रायगड सहित अन्य जिलों के बिजली कर्मचारियों ने 4 जनवरी से विद्युत कंपनियों की कार्य समिति महाराष्ट्र राज्य कर्मचारी, अधिकारी एवं अभियंता संघर्ष समिति ने हड़ताल का आ''ान किया है। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन के महासचिव कृष्ण भोईर ने चालकों, वायरमैन, अभियंताओं और अन्य कर्मचारियों की 30 से अधिक यूनियन सरकारी विद्युत कंपनियों के निजीकरण के प्रयास को विफल करने के लिए एकसाथ आए हैं। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (महावितरण), महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (महापारेषण) और महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (महानिर्मिति) सरकारी विद्युत कंपनियां हैं।

**तीन सप्ताह से कर रहे प्रदर्शन**

भोईर ने कहा कि इन कंपनियों के कर्मी पिछले दो तीन सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे हैं और सोमवार को 15000 से अधिक कर्मियों ने ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, 'इन तीन विद्युत कंपनियों के करीब 86000 कर्मचारी, अधिकारी, अभियंता निजीकरण के खिलाफ बुधवार से 42000 अनुबंधित कर्मियों एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ 72 घंटे की हड़ताल पर चले जायेंगे।' भोईर ने कहा कि प्रदर्शनकारी कर्मियों की एक बड़ी मांग यह है कि अडानी ग्रुप की सहायक कंपनी को पूर्वी मुंबई के भांडुप, ठाणे और नवी मुंबई में मुनाफा कमाने के लिए समानांतर लाइसेंस नहीं दिया जाए।

**आम आदमी पार्टी ने किया समर्थन**

बिजली विभाग की हड़ताल को आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन घोषित किया है। पार्टी की मुंबई अध्यक्ष प्रीति शर्मा मेनन ने कहा कि बीजेपी सरकार का सरकारी बिजली वितरण कंपनी महावितरण को अडानी समूह की झोली में डालने का षड़यंत्र है। ऐसे में, आम आदमी पार्टी बिजली कर्मचारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रीती शर्मा मेनन ने कहा

## बिजली कर्मचारियों की 4 से हड़ताल?

कि अडानी पावर कंपनी ने भांडुप, मुलुंड, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, तलोजा और उरण क्षेत्र के महावितरण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में समानांतर लाइसेंस के लिए महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग को आवेदन दिया है। इसका मतलब है कि जल्द ही निजीकरण होने वाला है, इस पर महावितरण के बिजली उपभोक्ताओं, महावितरण के हजारों कार्यकताओं, ट्रेड यूनियनों और जनप्रतिनिधियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है और केंद्र सरकार की निजीकरण नीति का विरोध किया है। साथ ही, इस निजीकरण के विरोध में मुंबई, ठाणे, नाशिक, रायगड और महाराष्ट्र के अन्य जिलों के बिजली कर्मचारी 4 जनवरी से हड़ताल पर जाएंगे और वे पूरे महाराष्ट्र में कलेक्टर कार्यालय तक मार्च भी निकालेंगे।

# महाराष्ट्र के NCP नेता ने कहा, औरंगजेब क्रूर था लेकिन 'हिंदू विरोधी' नहीं था

**महाराष्ट्र : राष्ट्रीवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक और पूर्व महाराष्ट्र के मंत्री जितेंद्र अवहद ने मुगल बादशाह औरंगजेब को 'हिंदू नफरती नहीं' बताकर नये विवाद को जन्म दिया है. छत्रपति संभाजी पर महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष, अजीत पवार की शुक्रवार की टिप्पणी का बचाव करने करते हुए, अवहद ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान मुगल शासक का जिक्र किया.**

अवहद ने कहा कि पहले के दिनों में मराठा कोई जाति नहीं थी, बल्कि एक 'धर्म था जिसका पालन किया जाता था.' और छत्रपति शिवाजी महाराज की बात आगे बढ़ाते हुए, पवार ने राज्य विधानसभा में कहा था कि मराठा राजा (संभाजी महाराज) ने अपने जीवन में कभी भी धर्म या धर्म का समर्थन नहीं किया था. उन्होंने कहा, 'सांभाजी महाराज ने धर्म की स्थापना की और यह जाति नहीं थी.'

अवहद सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'उन्हें (छत्रपति संभाजी महाराज) को बहादुरगढ़ लाया गया था जहां उनकी आंखें निकाली ली गई थीं. बहादुरगढ़ किले के करीब, एक विष्णु मंदिर था. औरंगजेब क्रूर था लेकिन हिंदू विरोधी नहीं था. अगर वह हिंदू विरोधी होता तो वह उस मंदिर को भी तोड़ देता.' उन्होंने इतिहास का हवाला दिया और कहा कि औरंगजेब ने अपने भाई और पिता की हत्या की थी. वह क्रूर था. हालांकि, उन्होंने कहा कि हर वक्त ऐतिहासिक संदर्भों से बचना चाहिए.

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि औरंगजेब ने ढेर सारे मंदिरों को तोड़ा था और महिलाओं पर अत्याचार किया था. शिंदे ने कहा, 'एनसीपी सांभाजी महाराज का अपमान कर रही है और औरंगजेब की तारीफ. औरंगजेब ने महाराष्ट्र में ढेर सारे मंदिरों को तोड़ा था और महिलाओं पर अत्याचार किया था.' पिछले साल, महाराष्ट्र के राज्यपाल बीएस कोश्यारी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को 'पुराने आइकॉन' के तौर पर जिक्र कर हंगामा खड़ा कर दिया था.

# पालघर में किशोरी के साथ किया दुष्कर्म !

## पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार...

**मुंबई :** मुंबई के पालघर जिल में एक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का मामला फिर सामने आया है। भले ही हम एक और नए साल में प्रवेश कर चुके हों लेकिन लड़कियों के साथ हो रही घटनाएं कम होने का नाम नही ले रही है। लड़कियों के साथ दुषकर्म करने की वारदात हर दिन सामने आती रहती है। कभी एक नाबिलग के साथ दुष्कर्म तो कभी कुछ महीने की बच्ची के साथ तो कभी एक बालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने की घटनाएं सामने आती रहती है। पालघर जिले में रविवार को एक 24 साल के व्यक्ति ने किशोरी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया था हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

**शौच के लिए जाते समय किया किशोरी के साथ दुष्कर्म**

पालघर के पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी कि किशोरी के साथ दुष्कर्म करने की घटना रविवार शाम को उस समय हुई जब 16 वर्षीय लड़की नेहलपाड़ा में शौच के लिए अपने घर से निकली थी। आरोपी ने कथित तौर पर उसे पास के एक खेत में खींच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ सोमवार को पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामलें को तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी थी।

**IPC धारा 376 और POCSO अधिनियम के तहत केस दर्ज**

पालघर की पुलिस ने 24 साल के आदिवासी समुदाय के व्यक्ति को दुष्कर्म करने के आरोप में धर दबोचा है। पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी है कि आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (ढडउरड) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि पुलिस ने यह भी जानकारी दी है कि मामले की जांच पड़ताल अभी आगे जारी है।

**क्या कहती है IPC की धारा 376**

भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत अगर किसी महिला के साथ कोई जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो उसे दुष्कर्म की श्रेणी में शामिल किया जाता है। ऐसा करने वाला शख्स कानून की नजर में दोषी होगा और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। इस धारा के तहत दुष्कर्म करने के लिए किसी भी प्रकार के कारावास के रूप में सजा निर्धारित करती है जो कम से कम 7 साल तक चलती है। लेकिन सजा को 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है या आजीवन कारावास (जेल में व्यक्ति की प्राकृतिक मृत्यु तक कारावास) हो सकता है।

मालिक, मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com